



#PROGRESSIVEBIHAR2020

प्लुरल्स

प्रेस विज्ञप्ति

2/2020

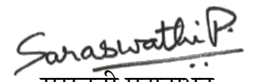
27 अप्रैल 2020

प्लुरल्स की प्रेसिडेंट पुष्पम प्रिया चौधरी ने बिहार के महामहिम राज्यपाल महोदय से अनुरोध किया है कि वे कोटा, राजस्थान में तकलीफ़ झेल रहे बिहार के विद्यार्थियों के मामले में सरकार को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश देने की कृपा करें। उन्होंने महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित पत्र में कहा है कि यद्यपि वे लॉकडाउन का सम्मान करती हैं और मानती हैं कि उसके प्रतिबंधों का आदर करना हमारी जिम्मेदारी है लेकिन लॉकडाउन के नियम तो तो इंसान की रक्षा के लिए हैं, और यदि नियम खुद ही उत्पीड़न का कारण बन जाएँ तो यह एक बड़ी विडम्बना होगी।

पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा है कि उन्हें आश्चर्य है और पीड़ा है कि बिहार के अपने बच्चों के प्रति ही सरकार में सहानुभूति की कमी दिखती है। समाचार एवं लोगों के द्वारा उन्हें किए गए सम्पर्क से उन्हें ज्ञात हुआ है कि कोटा में फँसे विद्यार्थियों को खाना, बुनियादी सुविधाओं इत्यादि की समस्या के साथ-साथ लॉज मालिकों द्वारा किराया के दबाव का सामना भी करना पड़ रहा है। इन सबसे मजबूर होकर कुछ विद्यार्थी अनशन पर भी बैठ गए हैं।

उन्होंने महामहिम राज्यपाल महोदय का ध्यान इस ओर भी आकृष्ट किया है कि दूसरे राज्य की सरकारों ने न सिर्फ़ अपने विद्यार्थियों के मामले में तुरंत कार्रवाई की है बल्कि अपने बच्चों को लाने के लिए अपने अधिकारियों को भी भेजा है। जबकि इस मामले में बिहार सरकार का रवैया असंवेदनशील और बेपरवाह रहने का रहा है।

अतः प्लुरल्स की प्रेसिडेंट पुष्पम प्रिया चौधरी ने बिहार के आदरणीय महामहिम राज्यपाल महोदय से अनुरोध किया है कि **जब तक सरकार लॉकडाउन के कारण फँसे बच्चों को बिहार वापस लाने की व्यवस्था नहीं कर लेती है, तब तक वे सरकार को निर्देश देने की कृपा करें कि वह अपने एक मंत्री, वरिष्ठ नौकरशाहों और डॉक्टरों की टीम तुरंत कोटा भेजे ताकि वे विद्यार्थियों के साथ रहें, उनकी समस्याओं को दूर करें और जब लाने की व्यवस्था हो जाए तब उन्हें उनके माता-पिता तक वापस ले आया जाए।**


सरस्वती पद्मनाभन
प्रवक्ता, प्लुरल्स